APTET- 2011 HINDI MATERIAL

APTET PAPER -2 (HINDI LANGUAGE)

क्रिया

क्रिया- जिस शब्द अथवा शब्द-समूह के द्वारा किसी कार्य के होने अथवा करने का बोध हो उसे क्रिया कहते हैं। जैसे-

(1) गीता नाच रही है।

(2) बच्चा दूध पी रहा है।

(3) राकेश कॉलेज जा रहा है।

(4) गौरव बुद्धिमान है।

(5) शिवाजी बहुत वीर थे।

इनमें 'नाच रही है' , 'पी रहा है' , 'जा रहा है' शब्द कार्य-व्यापार का बोध करा रहे हैं। जबकि 'है' , 'थे' शब्द होने का। इन सभी से किसी कार्य के करने अथवा होने का बोध हो रहा है। अतः ये क्रियाएँ हैं।

धातुक्रिया का मूल रूप धातु कहलाता है। जैसे-लिख, पढ़, जा, खा, गा, रो, पा आदि। इन्हीं धातुओं से लिखता, पढ़ता, आदि क्रियाएँ बनती हैं।

☞ **क्रिया के भेद- क्रिया के दो भेद हैं-**

(1) अकर्मक क्रिया। (2) सकर्मक क्रिया।

1. अकर्मक क्रियाजिन क्रियाओं का फल सीधा कर्ता पर ही पड़े वे अकर्मक क्रिया कहलाती हैं। ऐसी अकर्मक क्रियाओं को कर्म की आवश्यकता नहीं होती। अकर्मक क्रियाओं के अन्य उदाहरण हैं-

(1) गौरव रोता है।

(2) साँप रेंगता है।

(3) रेलगाड़ी चलती है।

कुछ अकर्मक क्रियाएँ- खेलना, अकड़ना, डरना, बैठना, हँसना, उगना, जीना, दौड़ना, रोना, ठहरना, चमकना, डोलना, मरन आदि।

2. सकर्मक क्रिया जिन क्रियाओं का फल (कर्ता को छोड़कर) कर्म पर पड़ता है वे सकर्मक क्रिया कहलाती हैं। इन क्रियाओं में कर्म का होना आवश्यक हैं, सकर्मक क्रियाओं के अन्य उदाहरण हैं-

(1) मैं लेख लिखता हूँ।

(2) रमेश मिठाई खाता है।

3.द्विकर्मक क्रिया- जिन क्रियाओं के दो कर्म होते हैं, वे द्विकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं। द्विकर्मक क्रियाओं के उदाहरण हैं-(1) मैंने श्याम को पुस्तक दी।

(2) सीता ने राधा को रुपये दिए।

ऊपर के वाक्यों में 'देना' क्रिया के दो कर्म हैं। अतः देना द्विकर्मक क्रिया हैं।

➢ **प्रयोग की दृष्टि से क्रिया के भेदप्रयोग की दृष्टि से क्रिया के निम्नलिखित पाँच भेद हैं-**

1.सामान्य क्रिया- जहाँ केवल एक क्रिया का प्रयोग होता है वह सामान्य क्रिया कहलाती है। जैसे-

1. आप आए।

2.वह नहाया आदि।

2.संयुक्त क्रिया- जहाँ दो अथवा अधिक क्रियाओं का साथ-साथ प्रयोग हो वे संयुक्त क्रिया कहलाती हैं। जैसे-

1.सविता महाभारत पढ़ने लगी।

2.वह खा चुका।

3.नामधातु क्रिया- संज्ञा, सर्वनाम अथवा विशेषण शब्दों से बने क्रियापद नामधातु क्रिया कहलाते हैं। जैसे-हथियाना, शरमाना, अपनाना, लजाना, चिकनाना, झुठलाना आदि।

4.प्रेरणार्थक क्रिया- जिस क्रिया से पता चले कि कर्ता स्वयं कार्य को न करके किसी अन्य को उस कार्य को करने की प्रेरणा देता है वह प्रेरणार्थक क्रिया कहलाती है। ऐसी क्रियाओं के दो कर्ता होते हैं- (1) प्रेरक कर्ता- प्रेरणा प्रदान करने वाला। (2) प्रेरित कर्ता-प्रेरणा लेने वाला। जैसे-श्यामा राधा से पत्र लिखवाती है। इसमें वास्तव में पत्र तो राधा लिखती है, किन्तु उसको लिखने की प्रेरणा देती है श्यामा। अतः 'लिखवाना' क्रिया प्रेरणार्थक क्रिया है। इस वाक्य में श्यामा प्रेरक कर्ता है और राधा प्रेरित कर्ता।

5.पूर्वकालिक क्रिया- किसी क्रिया से पूर्व यदि कोई दूसरी क्रिया प्रयुक्त हो तो वह पूर्वकालिक क्रिया कहलाती है। जैसे- मैं अभी सोकर उठा हूँ। इसमें 'उठा हूँ' क्रिया से पूर्व 'सोकर' क्रिया का प्रयोग हुआ है। अतः 'सोकर' पूर्वकालिक क्रिया है।

विशेष- पूर्वकालिक क्रिया या तो क्रिया के सामान्य रूप में प्रयुक्त होती है अथवा धातु के अंत में 'कर' अथवा 'करके' लगा देने से पूर्वकालिक क्रिया बन जाती है। जैसे-

(1) बच्चा दूध पीते ही सो गया।

(2) लड़कियाँ पुस्तकें पढ़कर जाएँगी।

अपूर्ण क्रिया कई बार वाक्य में क्रिया के होते हुए भी उसका अर्थ स्पष्ट नहीं हो पाता। ऐसी क्रियाएँ अपूर्ण क्रिया कहलाती हैं। जैसे-गाँधीजी थे। तुम हो। ये क्रियाएँ अपूर्ण क्रियाएँ है। अब इन्हीं वाक्यों को फिर से पढ़िए-

गांधीजी राष्ट्रपिता थे। तुम बुद्धिमान हो।

इन वाक्यों में क्रमशः 'राष्ट्रपिता' और 'बुद्धिमान' शब्दों के प्रयोग से स्पष्टता आ गई। ये सभी शब्द 'पूरक' हैं।

अपूर्ण क्रिया के अर्थ को पूरा करने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है उन्हें पूरक कहते हैं।

☞ **क्रिया-विशेषण**

क्रिया-विशेषण- जो शब्द क्रिया की विशेषता प्रकट करते हैं वे क्रिया-विशेषण कहलाते हैं। जैसे- 1.सोहन सुंदर लिखता है। 2.गौरव यहाँ रहता है। 3.संगीता प्रतिदिन पढ़ती है। इन वाक्यों में 'सुन्दर' , 'यहाँ' और 'प्रतिदिन' शब्द क्रिया की विशेषता बतला रहे हैं। अतः ये शब्द क्रिया-विशेषण हैं।

अर्थानुसार क्रिया-विशेषण के निम्नलिखित चार भेद हैं-

1. कालवाचक क्रिया-विशेषण। 2. स्थानवाचक क्रिया-विशेषण। 3. परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण। 4. रीतिवाचक क्रिया-विशेषण।

1.कालवाचक क्रिया-विशेषण- जिस क्रिया-विशेषण शब्द से कार्य के होने का समय ज्ञात हो वह कालवाचक क्रिया-विशेषण कहलाता है। इसमें बहुधा ये शब्द प्रयोग में आते हैं- यदा, कदा, जब, तब, हमेशा, तभी, तत्काल, निरंतर, शीघ्र, पूर्व, बाद, पीछे, घड़ी-घड़ी, अब, तत्पश्चात्, तदनंतर, कल, कई बार, अभी फिर कभी आदि।

2.स्थानवाचक क्रिया-विशेषण- जिस क्रिया-विशेषण शब्द द्वारा क्रिया के होने के स्थान का बोध हो वह स्थानवाचक क्रिया-विशेषण कहलाता है। इसमें बहुधा ये शब्द प्रयोग में आते हैं- भीतर, बाहर, अंदर, यहाँ, वहाँ, किधर, उधर, इधर, कहाँ, जहाँ, पास, दूर, अन्यत्र, इस ओर, उस ओर, दाएँ, बाएँ, ऊपर, नीचे आदि।

3.परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण-जो शब्द क्रिया का परिमाण बतलाते हैं वे 'परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण' कहलाते हैं। इसमें बहुधा थोड़ा-थोड़ा, अत्यंत, अधिक, अल्प, बहुत, कुछ, पर्याप्त, प्रभूत, कम, न्यून, बूँद-बूँद, स्वल्प, केवल, प्रायः अनुमानतः, सर्वथा आदि शब्द प्रयोग में आते हैं।

कुछ शब्दों का प्रयोग परिमाणवाचक विशेषण और परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण दोनों में समान रूप से किया जाता है। जैसे-थोड़ा, कम, कुछ काफी आदि।

4.रीतिवाचक क्रिया-विशेषण- जिन शब्दों के द्वारा क्रिया के संपन्न होने की रीति का बोध होता है वे 'रीतिवाचक क्रिया-विशेषण' कहलाते हैं। इनमें बहुधा ये शब्द प्रयोग में आते हैं- अचानक, सहसा, एकाएक, झटपट, आप ही, ध्यानपूर्वक, धड़ाधड़, यथा, तथा, ठीक, सचमुच, अवश्य, वास्तव में, निस्संदेह, बेशक, शायद, संभव हैं, कदाचित्, बहुत करके, हाँ, ठीक, सच, जी, जरूर, अतएव, किसलिए, क्योंकि, नहीं, न, मत, कभी नहीं, कदापि नहीं आदि।

AP TET (HINDI) MODEL QUESTIONS

1.जिस शब्द अथवा शब्द-समूह के द्वारा किसी कार्य के होने अथवा करने का बोध हो उसे ----कहते हैं?

1.क्रिया 2.क्रिया-विशेषण 3.सर्वनाम 4.संज्ञा

2.मोहनी गाती है।इस वाक्य में क्रिया शब्द –है ?

1.गाती 2.मोहनी 3.गाना है 4.मोहनी

3.क्रिया के भेद-कर्म के आधार पर –हैं ?

1. पांच 2.तीन 3.चार 4. दो

4.जिस क्रिया का फल सीधा कर्ता परही पड़े वे-कहलाती हैं?

1.अकर्मक क्रिया 2.सकर्मक क्रिया

3.अपूर्ण क्रिया 4.संयुक्त क्रिया

5. अकर्मक क्रिया के लिए उदहारण वाक्य --?

1.ऊंट दौड रहा है। 2.पक्षी उड़ रहे हैं

3.मोहन पढ रहा है 4.उपरोक्त सभी

6.सोहन पानी पी रहा है । इस वाक्य में कर्म –है ?

1.सोहन 2.पानी 3.पीना 4.रहा है

7.मालिक ने नौकर से पानी मंगवाया। इस वाक्य में प्रयुक्त कर्म----हैं ?

1.नौकर 2.पानी 3. 1& 2 4.मालिक

8.जो क्रियाएँ एक नहीं, दो कर्मों के साथ संयुक्त होने पर पूर्ण अर्थ प्रदान करती हैं,उन्हें--क्रियाएँ कहा जाता है ?

1.पूर्ण एकार्मक 2.पूर्ण द्विकर्मक

3.अपूर्ण सकर्मक 4.अपूर्ण अकर्मक

9.जिस क्रिया से पता चले कि कर्ता स्वयं कार्य को न करके किसी अन्य को उस कार्य को करने की प्रेरणा देता है वह कहलाती है।

1.एकार्मक क्रिया 2.प्रेरणार्थक क्रिया

3.द्विकर्मक क्रिया 4.कोई नहीं

10.जोशब्द क्रिया की विशेषता प्रकट करते हैं,वे कहलाते हैं?

1.सर्वनाम 2. क्रिया-विशेषण 3. संज्ञा 4.क्रिया

11.संगीता प्रतिदिन पढ़ती है। वाक्य में क्रिया–विशेषण है ?

1.पढ़ती है 2. गीता 3.प्रतिदिन 4.कोई नहीं

12.अर्थानुसार क्रिया-विशेषण के--भेद हैं?

1.दो 2.पांच 3.चार 4.छे

13.थोड़ा-थोड़ा, अत्यंत, अधिक, अल्प आदि क्रिया–विशेषण --- कहलाते हैं ?

1.कालवाचक 2.स्थानवाचक 3.परिमाणवाचक 4.रीतिवाचक

14.जिस क्रिया-विशेषण शब्द द्वारा क्रिया के होने के स्थान का बोध हो वह --कहलाता है?

1.कालवाचक क्रिया-विशेषण 2.स्थानवाचक क्रिया-विशेषण

3.परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण 4.रीतिवाचक क्रिया-विशेषण

ANSWERS

1-1	2-1	3-4	4-1	5-4	6-2	7-3
8-2	9-2	10-2	11-3	12-3	13-3	14-2